डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

जुलाई 2023 खण्ड 35 अंक 07

ISSN: 0971-4405

डीआरडीओ – अकादमिक सम्मेलन

संरक्षक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण
संपादक: दीप्ति अरोडा
सहायक संपादक: धर्म वीर
अनुवादक: सुनील कुमार दुबे
मुद्रण: एस के गुप्ता

प्रकाशन का 35वां वर्ष

डीआरडीओ समाचार के ई–संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
		डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक)
		डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव–ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमरानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

घटनाक्रम 5

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 14

अवसंरचना विकास 17

कार्मिक समाचार 18

सामाजिक गतिविधियां 19

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 21

वेबसाइटः https://www.drdo.gov.in/samachar
अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाषः 011-23902403, 23902472
फैक्सः 011-23819151

डीआरडीओ-अकादमिक सम्मेलन

थीमः डीआरडीओ-अकादमिक साझेदारीः अवसर और चुनौतियाँ

रक्षा क्षेत्र में आत्मानिर्भरता को बढ़ावा देने और एक केंद्रित और संवर्धित डीआरडीओ–अकादमिया साझेदारी के लिए भारत सरकार की पहल के अनुरूप, 25–26 मई 2023, डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में 'डीआरडीओ–अकादमिक साझेदारीः अवसर और चुनौतियां' विषय पर एक डीआरडीओ–अकादमिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया।

माननीय रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सैन्य अनुप्रयोगों के लिए उन्नत तकनीक विकसित करना भारत जैसे देश के लिए महत्वपूर्ण है जो 'दोहरे सीमा खतरे' का सामना कर रहा है। अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा जगत के साथ साझेदारी के हिस्से के रूप में, डीआरडीओ आईआईएससी, आईआईटी, एनआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से कुशल मानव संसाधन प्राप्त करेगा। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं में उन्नत बुनियादी ढांचे तक पहुंच के साथ–साथ डीआरडीओ द्वारा प्रदान की गई आर एंड डी फंडिंग से शिक्षा जगत को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह साझेदारी शिक्षाविदों के लिए आशा की किरण हो सकती है, क्या उन्हें बुनियादी ढांचे और धन का पूरा लाभ उठाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

कॉन्क्लेव की शुरुआत माननीय रक्षा मंत्री द्वारा डीआरडीओ–एकेडेमिया कॉन्क्लेव कम्पेंडियम के विमोचन के साथ हुई। माननीय रक्षा मंत्री ने भारत भर के विभिन्न संस्थानों के दस प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने वैमानिकी, आयुध, जीवन विज्ञान, नौसेना प्रणाली और अन्य डीआरडीओ परियोजनाओं के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं में अपने उत्कृष्ट कार्य से उत्कृष्ट योगदान दिया। माननीय रक्षा मंत्री की गरिमामय उपस्थिति में शिक्षा जगत से डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में तीन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भी हुए।

कॉन्क्लेव में आईआईटी निदेशक, वीसी, संस्थान निदेशक और पूरे भारत के 100 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों के संकाय सहित लगभग 550 प्रतिभागी थे। कॉन्क्लेव में डीआरडीओ के महानिदेशकों, प्रयोगशाला निदेशकों और भारत भर में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से नामांकित वैज्ञानिकों की भी भागीदारी देखी गई।

दो दिवसीय सम्मेलन में उद्घाटन, पूर्ण और समापन सत्र के अलावा चार तकनीकी सत्र थे और सचिव, डीडी आर एंड डी और अध्यक्ष डीआरडीओ, एस ए टू आर एम, अध्यक्ष अनुसंधान बोर्ड, अध्यक्ष अनुसंधान पैनल और डीजी से 37 आमंत्रित वार्ताएं हुईं।

आमंत्रित वार्ता में वैमानिकी, आयुध, नौसेना, जीवन विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में डीआरडीओ में शिक्षा के अवसरों पर प्रकाश डाला गया।

कॉन्क्लेव ने डीआरडीओ निदेशकों, वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों के बीच एक सहक्रियात्मक संवाद द्वारा डीआरडीओ आवश्यकताओं और अकादमिक क्षमता के

बीच इंटरफेस को मजबूत किया। इसने शिक्षा जगत के माध्यम से रक्षा अनुसंधान एवं विकास में अवसरों के बारे में जागरूकता भी फैलाई ताकि अनुसंधान एवं विकास बजटीय आवंटन के 25 प्रतिशत के इच्छित लक्ष्य और इसके उपयोगी परिणाम को पूरा किया जा सके। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप विचारों का परस्पर परागण हुआ और डीआरडीओ से लेकर शिक्षा जगत तक अवसरों का प्रसार हुआ। शिक्षा जगत और डीआरडीओ के बीच विचार–विमर्श से सुधार के कई बिंदु सामने आए जो बेहतर डीआरडीओ–अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देंगे।

कॉन्क्लेव में डीआरडीओ और शिक्षा जगत के बीच 'आत्मनिर्भरता कैसे प्राप्त करें', 'विघटनकारी अनुसंधान बनाम नियमित अनुसंधान', 'अकादमिक–डीआरडीओ के बीच मानव संसाधन की पारस्परिक प्रतिनियुक्ति', 'महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की पहचान जिन पर जोर देने की जरूरत है', डीआरडीओ सहायता अनुदान योजनाओं में प्रसंस्करण समय में कमी', 'पारदर्शिता

बढ़ाना', 'वर्गीकृत और अवर्गीकृत अनुसंधान में स्पष्ट सीमांकन', 'उच्च जोखिम वाली उच्च लाभ परियोजनाओं (डीएआरपीए प्रकार के मॉडल) को प्रोत्साहित करना' जैसे और कई अन्य विषयों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया।

दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन डीआरडीओ के चार अनुसंधान बोर्डों, एयरोनॉटिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट बोर्ड (एआर एंड डीबी), आर्ममेंट रिसर्च बोर्ड (एआरएमआरईबी), लाइफ साइंसेज रिसर्च बोर्ड (एलएसआरबी), और नेवल रिसर्च बोर्ड (एनआरबी) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

घटनाक्रम

डीआरडीओ द्वारा उद्योग जगत के साथ विचार विमर्श

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा 27 मई 2023 को अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), हैदराबाद में एक दिवसीय उद्योग संपर्क अभियान और विचार–मंथन सत्र का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य डीआरडीओ की विभिन्न उद्योग अनुकूल पहलों और नीतियों पर जागरूकता बढ़ाने और उद्योग की चिंताओं को समझने के लिए एमएसएमई और स्टार्टअप सहित सभी रक्षा उद्योगों को एक मंच पर लाना था। इस आयोजन में 180 से अधिक उद्योगों ने भाग लिया।

शुरुआत में, आरसीआई के निदेशक श्री यू राजा बाबू ने उद्योग भागीदारों; डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ तथा डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने डीआरडीओ की हालिया उपलब्धियों की भी एक झलक प्रस्तुत की।

उद्योग इंटरफेस और प्रौद्योगिकी प्रबंधन निदेशालय (डीआईआईटीएम) के निदेशक श्री अरुण चौधरी ने भारतीय उद्योगों को समर्थन देने के लिए डीआरडीओ की विभिन्न पहलों और नीतियों पर एक संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने डीआरडीओ टीओटी नीति की मुख्य विशेषताओं को सामने लाते हुए डीआरडीओ द्वारा उद्योग को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने विकास–सह–उत्पादन भागीदार (डीसीपीपी) के रूप में उद्योगों के चयन की आवश्यकता और प्रक्रिया के बारे में बताया। प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना की मुख्य विशेषताएं उद्योग को उपयुक्त रूप से समझाई गईं। उन्होंने भारतीय उद्योग द्वारा इसकी बुनियादी ढांचा परीक्षण सुविधा और डीआरडीओ पेटेंट के उपयोग पर डीआरडीओ नीति और प्रक्रियाओं का विवरण भी दिया। डीआरडीओ ने क्यूसीआई के सहयोग से एमएसएमई और बड़े उद्यमों

सहित रक्षा विनिर्माण उद्यमों की परिपक्वता को मापने के लिए एक बेंचमार्क 'उन्नत विनिर्माण मूल्यांकन और रैंकिंग प्रणाली (एसएएमएआर)' प्रमाणन विकसित किया है।

डॉ रामनाद एन शुक्ला, क्यूसीआई ने जियो–टैगिंग और टाइम स्टैम्पिंग के साथ डिजीटल मूल्यांकन के लिए एसएएमएआर और आईटी सक्षम ऑनलाइन मॉडल पर सिंहावलोकन दिया। यह योजना डीआरडीओ द्वारा सूक्ष्म और लघु उद्योगों को रियायती लागत पर पेश की जाती है।

एमएसएमई, बड़े पैमाने के और स्टार्टअप उद्यमियों के उद्योग भागीदारों ने डीआरडीओ के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में प्रस्तुतियां दीं। उद्योग भागीदारों ने वर्तमान प्रक्रियाओं और नीतियों में सुधार के लिए बहुमूल्य सुझाव भी दिए। उन्होंने कारोबार को आसान बनाने के कई तरीके भी सुझाए।

डॉ कामत ने खुले ब्रेन स्टॉर्मिंग सत्र, 'चिंतन' की अध्यक्षता की। उन्होंने उद्योग जगत को आश्वासन दिया कि डीआरडीओ उद्योग को हर संभव सहायता देगा और भारतीय रक्षा उद्योगों की क्षमताओं के निर्माण में सलाहकार की भूमिका निभाएगा ताकि भारत रक्षा क्षेत्र में शुद्ध निर्यातक बन सके। डीआरडीओ के अध्यक्ष ने नियमित आधार पर ऐसी पहल करने की

आवश्यकता पर भी जोर दिया क्योंकि ये आयोजन पूर्ण आत्मनिर्भर भारत को प्राप्त करने के लिए भारतीय रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक दिशा और आवश्यक प्रोत्साहन दे सकते हैं।

इस आयोजन ने न केवल उद्योगों के साथ खुले विचार–मंथन सत्र के दौरान आत्मचिंतन और मंथन के लिए एक अनूठी शुरुआत की, बल्कि उद्योगों को अपनी चुनौतियों, अपेक्षाओं और आवश्यक समर्थन को व्यक्त करने का अवसर भी दिया, जो वर्तमान परिदृश्य में महत्वपूर्ण और आवश्यक है ताकि व्यापार करने में और आसानी लाने तथा उद्योग को सुविधा प्रदान करने के लिए रूपरेखा को परिष्कृत किया जा सके।

डॉ बीएचवीएस नारायण मूर्ति, महानिदेशक (एमएसएस), और डॉ चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक (पीसी और एसआई) ने अपने विचार साझा किए और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के सभी हितधारकों के बीच अधिक तालमेल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डीक्यूआरएस के निदेशक वाइस एडमिरल रणजीत सिंह और मिसाइल कॉम्प्लेक्स के वरिष्ठ निदेशक, कार्यक्रम निदेशक और वैज्ञानिक भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

'अग्नि-प्राइम' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल उड़ान-परीक्षण

7 जून 2023 को नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि प्राइम' का ओडिशा के तट पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया। उड़ान परीक्षण के दौरान, सभी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया।

सिस्टम की सटीकता और विश्वसनीयता को मान्य करते हुए, मिसाइल के तीन सफल विकासात्मक परीक्षणों के बाद उपयोगकर्ताओं द्वारा किया गया यह पहला प्री–इंडक्शन नाइट लॉन्च था। वाहन के पूरे प्रक्षेप पथ को कवर करने वाले उड़ान डेटा को कैप्चर करने के लिए टर्मिनल बिंदु पर दो डाउन–रेंज जहाजों सहित विभिन्न स्थानों पर रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे रेंज इंस्ट्रूमेंटेशन तैनात किए गए थे।

डीआरडीओ और स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड (एसएफसी) के वरिष्ठ अधिकारियों

ने सफल उड़ान–परीक्षण देखा, जिसने इस प्रणाली को सशस्त्र बलों में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि–प्राइम की सफलता के साथ–साथ कॉपी–बुक प्रदर्शन के लिए डीआरडीओ और सशस्त्र बलों को बधाई दी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने डीआरडीओ प्रयोगशालाओं की टीमों और परीक्षण लॉन्च में शामिल उपयोगकर्ताओं द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

1 जून 2023 को ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सामरिक बल कमान (एसएफसी) द्वारा मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल, अग्नि–1 का सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण किया गया था।

यह मिसाइल एक सिद्ध प्रणाली है, जो बेहद उच्च सटीकता के साथ लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम है। उपयोगकर्ता ने प्रशिक्षण प्रक्षेपण मिसाइल के सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक सत्यापित किया।

बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-१ का सफल उड़ान-परीक्षण

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2023 का उत्सव

केयर, बेंगलुरु

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु ने 12 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। श्री एल रामकृष्णन, मुख्य वैज्ञानिक, केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। डॉ सुब्रत रक्षित, डीएस एवं निदेशक, केयर ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा 'अगली पीढ़ी की रक्षा प्रणालियों के लिए सक्षम प्रौद्योगिकियों' पर संबोधन दिया गया।

केयर के निदेशक द्वारा श्रीमती शिवा भवानी जे, वैज्ञानिक 'डी' को प्रौद्योगिकी दिवस पदक और मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। श्रीमती शिवा भवानी जे ने 'टेक्स्ट–टू–टेक्स्ट न्यूरल मशीन ट्रांसलेशनः चुनौतियां, दृष्टिकोण और अन्विता समाधान' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस भाषण दिया।

कैसडिक, बेंगलुरु

युद्धक विमान प्रणालियाँ एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलुरु ने 11 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया, जिसमें श्री नितांथा शौर्य आर, वैज्ञानिक 'सी' ने 'चरण परिवर्तन सामग्री पिघलने के लिए आंतरिक रूप से तैयार हीट एक्सचेंजर में हीट ट्रांसफर' पर भाषण दिया। बातचीत में विमान में इलेक्ट्रॉनिक्स के थर्मल प्रबंधन के लिए एक चरण परिवर्तन सामग्री–आधारित हीट एक्सचेंजर के विकास पर चर्चा की गई, जिसमें समकालीन शीतलन प्रणाली, चरण परिवर्तन सामग्री विशेषताओं, यांत्रिक डिजाइन अनुकूलन, शामिल गर्मी हस्तांतरण तंत्र, सिमुलेशन और किए गए प्रयोगात्मक अध्ययन शामिल थे। उन्हें श्री सीएच दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी' और केंद्र प्रमुख, कैसडिक द्वारा एक पदक और एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

सीएचईएसएस, हैदराबाद

उच्च ऊर्जा प्रणाली और विज्ञान केंद्र (सीएचईएसएस), हैदराबाद ने 17 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। इस अवसर के मुख्य अतिथि श्री अतुल दिनकर राणे, ओएस और महानिदेशक (ब्रह्मोस), सीईओ और एमडी, ब्रह्मोस एयरोस्पेस थे। विशेष अतिथि हैदराबाद विश्वविद्यालय के एडवांस्ड सेंटर ऑफ रिसर्च इन हाई एनर्जी मैटेरियल्स (एसीआरएचईएम) के प्रोफेसर पी प्रेम किरण थे। ओएस एवं निदेशक डॉ जगन्नाथ नायक ने अपने संबोधन में दुनिया भर में हो रहे तकनीकी विकास की तीव्र दर के अनुरूप अपने प्रयासों में तेजी लाने और अत्याधुनिक तकनीकों से अपडेट रहने पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि ने हाई पावर लेजर प्रयोगशाला और एकीकरण केंद्र का दौरा किया और निर्देशित ऊर्जा हथियार (डीईडब्ल्यू) के क्षेत्र में सीएचईएसएस के प्रयासों की सराहना की। डॉ गौरव सिंघल, वैज्ञानिक 'एफ' और प्रौद्योगिकी निदेशक, लिक्विड लेजर सिस्टम ने 'लिक्विड लेजर प्रौद्योगिकी के विकास में परिप्रेक्ष्य' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस भाषण दिया।

डीएफआरएल, मैसूर

12 मई 2023 को रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित एक दिवसीय सभी के लिए खुली प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ अनिल दत्त सेमवाल, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक, डीएफआरएल ने डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'जी', एसोसिएट निदेशक, डॉ वीए सजीव कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', प्रमुख, एफडीएपीटी प्रभाग की उपस्थिति में किया। अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष–2023 के जश्न के अवसर पर डीएफआरएल द्वारा विकसित बाजरा–आधारित प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष मंडप बनाया गया था। मैसूर और उसके आसपास के स्कूलों और कॉलेजों से बड़ी संख्या में छात्रों और आम जनता ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया। डॉ दादासाहेद डी वाडिकर, वैज्ञानिक 'एफ' और प्रमुख, अनाज विज्ञान प्रौद्योगिकी प्रभाग, ने 17 मई 2023 को 'मिलेट्स फॉर मिलिट्री राशन–पैलेटेबिलिटी, न्यूट्रिशन, एंड टेक्निकल चौलेंजेस' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया।

डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 17 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। डॉ नीति शर्मा, वैज्ञानिक 'ई' ने 'लचीलापन और मनोवैज्ञानिक कल्याण में वृद्धि के लिए माइंडफुलनेस–आधारित संज्ञानात्मक तकनीक' पर व्याख्यान दिया।

डीएलआरएल, हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 के उत्सव के एक भाग के रूप में 12 मई 2023 को डॉ अनुपम शर्मा, ओएस और एसोसिएट निदेशक, (डीएसपी), हैदराबाद और श्री मेवा राम गुर्जर, वैज्ञानिक 'सी', डीवाईएसएल–एआई बेंगलुरु द्वारा एक तकनीकी वार्ता का आयोजन किया। श्रीमती लक्ष्मी, वैज्ञानिक 'एफ', अध्यक्ष ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच की गतिविधियों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ शर्मा ने 'अंतरिक्ष युद्ध के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों' पर बात की। उन्होंने आधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों और स्पेस ईडब्ल्यू पर उनके भविष्य के प्रभाव के बारे में बात की। श्री गुर्जर ने 'ईडब्ल्यू सिस्टम में एआईध्एमएल' पर बात की। उन्होंने एआई प्रौद्योगिकियों के बारे में बात की क्योंकि उनका उपयोग भाषण और भाषा अनुवाद में किया जाता है, ईडब्ल्यू में एआई का उपयोग किया जाता है।

आईआरडीई, देहरादून

यन्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून ने 12 मई 2023 को बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। डॉ मानवेंद्र सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने 'अंतरिक्ष–आधारित स्थितिजन्य जागरूकता के लिए इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्सः चुनौतियां और आगे का रास्ता' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। आईआरडीई के निदेशक डॉ अजय कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और राजस्थान में भारतीय सेना के पोखरण परीक्षण रेंज में तीन परमाणु परीक्षणों

के सफल संचालन में शामिल वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, इंजीनियरों और अन्य सभी की सफलता और उपलब्धियों के प्रति दिन के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ अजय कुमार ने डॉ सिंह को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

एलआरडीई, बेंगलुरु

12 मई 2023 को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया गया। श्रीमती मोहना कुमारी पी, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'वायु रक्षा एसएएम सिस्टम के लिए अग्नि नियंत्रण रडार के उन्नयन' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। उन्हें राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस प्रमाणपत्र देकर एलआरडीई के डीएस और निदेशक डॉ पी राधाकृष्ण ने सम्मानित किया। निदेशक एलआरडीई ने 'फ्यूचरिस्टिक रडार टेक्नोलॉजीज' पर सभा को संबोधित किया। एसोसिएट डायरेक्टर डॉ ए वेंगदराजन ने कार्यक्रम का आयोजन किया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

12 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 के समारोह का आयोजन नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में किया गया। श्री सत्य गौतम डोम्मेती, वैज्ञानिक 'ई' ने 'स्कूल टू स्टार्टअप्स– इग्नाइटिंग यंग माइंड्स टू इनोवेट' विषय के तहत 'नौसेना अनुप्रयोगों के लिए लौह–आधारित बल्क मेटैलिक ग्लास कोटिंग्स' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस भाषण दिया। श्री पीटी रोजतकर, ओएस और निदेशक, एनएमआरएल ने श्री डोम्मेती को एक पदक और एक प्रमाण पत्र प्रदान किया।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने 12 मार्च 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान श्री रोनी फ्रांसिस, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा 'हाइड्रोडायनामिक्स ऑफ टोड सोनार सिस्टम' पर दिया गया था। व्याख्यान में टोड सोनार प्रणाली के प्रमुख हाइड्रोडायनामिक पहलुओं को शामिल किया गया जो इष्टतम सोनार प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण हैं। डॉ अजित कुमार के, निदेशक एनपीओएल ने वक्ता को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया।

समारोह के दौरान, 19 मई 2023 को एक आमंत्रित वार्ता भी आयोजित की गई थी। श्री आर हटन, परियोजना निदेशक, मिशन गगनयान, मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र, इसरो ने 'भारतीय मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम' पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने उन क्षेत्रों के बारे में बताया जो भविष्य में निरंतर मानव अंतरिक्ष उड़ान गतिविधियों जैसे मिलन और डॉकिंग, अंतरिक्ष स्टेशन निर्माण और चंद्रमा/मंगल और निकट–पृथ्वी क्षुद्रग्रहों के लिए अंतरग्रहीय सहयोगात्मक मानवयुक्त मिशनों के लिए महत्वपूर्ण घटक बनेंगे।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 11 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ टीवीएसएल सत्यवाणी, वैज्ञानिक 'एफ' और अध्यक्ष एनटीडीसी–2023 के स्वागत भाषण के साथ हुई। मुख्य अतिथि डॉ वाई श्रीनिवास राव ने अपने भाषण में बताया कि वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के निरंतर प्रयासों से मिसाइलों और टॉरपीडो के लगभग 95 प्रतिशत घटक स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं। उन्होंने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि सार्वजनिक, निजी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों की संयुक्त भागीदारी से, भारत अनुसंधान एवं विकास में एक शीर्ष देश बन जाएगा।

सम्मानित अतिथि प्रोफेसर डीवीएलएन सोमयाजुलु ने 'उन्नत प्रणालियों के विकास में वैश्विक प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के महत्व' पर एक व्यावहारिक बातचीत दी। विशिष्ट अतिथि डॉ जीएन राव ने मई 1998 में ऑपरेशन शक्ति के कोड नाम 'लाफिंग बुद्धा' और मई 2019 में मिशन शक्ति दिए जाने की पृष्ठभूमि के बारे में बात की। इस अवसर पर, श्री आनंद कुमार, वैज्ञानिक 'ई' को 'पाइरो–आधारित टॉरपीडो रिलीज मैकेनिज्म के विकास' पर अपने भाषण के लिए टाइटेनियम मेडल और निदेशक का प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके अलावा, श्री अरुण नस्कर, एसटीए 'बी' ने एक मिनी प्रोजेक्ट 'वायरलेस शाफ्ट पावर मेजरमेंट सिस्टम'

पर एक प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर एक ओपन हाउस प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जहां विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के चयनित 43 मॉडल प्रदर्शित किए गए।

टीबीआरएल, चंडीगढ़

11 मई 2023 को टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल), चंडीगढ़ में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2023 मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएम एडीसी (पूर्व वायुसेना प्रमुख, भारतीय वायु सेना) की उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान श्री राज कुमार भारद्वाज, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा 'उन्नत हथियारों के लिए असंवेदनशील युद्ध सामग्री अनुपालन के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास' पर दिया गया था।

वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रदर्शनियों में डीएमआरएल

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 11–14 मई 2023 के मध्य प्रगति मैदान, नई दिल्ली में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी सप्ताह–2023 समारोह के दौरान एक प्रदर्शनी में भाग लिया। यह कार्यक्रम मई 1998 में पोखरण–द्वितीय के सफल संचालन की 25वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का विषय था 'स्कूल से स्टार्ट–अप' जो युवा दिमागों को नवप्रवर्तन के लिए प्रेरित करता है। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डीएमआरएल के प्रदर्शनों और प्रौद्योगिकियों को विशेष रूप से

अनुसंधान समुदाय से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। कई स्कूली छात्रों ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया और डीएमआरएल के उत्पादों के बारे में जानने के लिए उत्साहित हुए। समापन समारोह की अध्यक्षता माननीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने की, जिन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

डीएमएसआरडीई ई-लाइब्रेरी वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप का शुभारंभ

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर के निदेशक डॉ मयंक द्विवेदी ने 25 मई 2023 को डीएमएसआरडीई ई–लाइब्रेरी वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप लॉन्च किया। वेब पोर्टल पर पुस्तकों और पत्रिकाओं का 25 लाख से अधिक संग्रह उपलब्ध है। प्लेटफॉर्म में डीएमएसआरडीई रिपॉजिटरी सामग्री, डीआरडीओ कंसोर्टियम सामग्री, सब्सक्राइब्ड और ओपन एक्सेस जर्नल, प्रिंट और ई–पुस्तकें शामिल हैं। उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड का उपयोग करके पंजीकरण के बाद पोर्टल को डीएमएसआरडीई कर्मचारियों द्वारा कंप्यूटर या मोबाइल पर कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है। डीएमएसआरडीई ई–लाइब्रेरी का मोबाइल ऐप गूगल प्लेस्टोर और आईएस

से डाउनलोड किया जा सकता है। सभी डीएमएसआरडीई कर्मचारियों के लिए वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप का एक छोटा डेमो–सह–प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

एलआरडीई में 5वीं ईसीएस क्लस्टर काउंसिल की बैठक

2023 की 5वीं ईसीएस क्लस्टर काउंसिल की बैठक 24 मई 2023 को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु में आयोजित की गई। डॉ बी के दास, डीएस और डीजी (ईसीएस) ने बैठक की अध्यक्षता की। स्वागत भाषण डॉ पी राधाकृष्ण, डीएस एवं निदेशक, एलआरडीई ने दिया। महानिदेशक (ईसीएस) ने सीएचईएसएस द्वारा विकसित ईसीएस क्लस्टर का मिशन–2023 उत्पाद जारी किया और डॉ अमित प्रताप, वैज्ञानिक 'एफ' और उनकी टीम को उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया। एलआरडीई प्रोजेक्ट 'एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे रडार–उत्तम' से सीखे गए पाठों पर एक प्रस्तुति श्री डी शेषगिरी, वैज्ञानिक 'एच' और परियोजना निदेशक द्वारा दी गई थी। निदेशक, एलआरडीई ने पिछले दस महीनों

की एलआरडीई की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। महानिदेशक (ईसीएस) ने उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रयोगशाला की सराहना की। सीसीएम ने रडार के स्वदेशीकरण और विभिन्न समूहों को उत्कृष्ट समर्थन के क्षेत्र में एलआरडीई की उपलब्धि को स्वीकार किया। क्लस्टर काउंसिल ने डॉ पी राधाकृष्ण डीएस और निदेशक एलआरडीई को विदाई दी, जो 31 मई 2023 को सेवानिवृत्त हुए।

विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

सीएफईईएस, दिल्ली

अग्नि, विस्फोटक एवं पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीएफईईएस), दिल्ली ने कई कार्यक्रमों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस–2023 मनाया। 'मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित किया गया। पुराने कपड़े, किताबें और बर्तन इकट्ठा करने के लिए 'लाईफ' केंद्र स्थापित किए गए थे। 'प्रदूषण के लिए समाधान' विषय पर 'लाईफ' को बढ़ावा देने के लिए एक साइकिल रैली आयोजित की गई।

साइकिल रैली: सीएफईईएस परिसर में 'प्रदूषण के लिए समाधान' का आयोजन

डीएल, जोधपुर

मिशन लाईफ के तहत, 1–5 जून 2023 के दौरान रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) में एक सप्ताह का पर्यावरण संरक्षण अभियान मनाया गया। निदेशक, डीएलजे द्वारा सभी डीएलजे कर्मचारियों को लाईफ प्रतिज्ञा दिलाई गई। परिवारों और सफाई कर्मचारियों के साथ–साथ डीएलजे कर्मचारियों के बीच लाईफ उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए आवासीय क्षेत्र में एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। डीएलजे परिसर में प्लास्टिक कचरा संग्रहण के लिए विशेष अभियान चलाया गया। लगभग 20 किग्रा प्लास्टिक कचरा एकत्र कर उसका निस्तारण किया गया।

लाईफ उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए डीएलजे आवासीय क्षेत्र में साइकिल रैली का आयोजन

ईसा, दिल्ली

पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस –2023 मनाया। मेरिलाइफ पोर्टल का एक वीडियो प्रदर्शित किया गया। एक शपथ समारोह भी आयोजित किया गया, जिसके बाद श्रीमती कल्पना कैथल, वैज्ञानिक 'ई' ने 'लाइफ–पर्यावरण के लिए जीवन' विषय पर व्याख्यान दिया। इसके अलावा 12 जुलाई 2023 को ईसा में विश्व पर्यावरण दिवस 2023 समारोह में कर्मचारियों को सुरक्षित पर्यावरण के लिए अपने दैनिक जीवन में लागू करने के लिए नीति आयोग के '75 लाइफ एक्शन' बिंदुओं की जानकारी दी गई।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस–2023

ईसा में विश्व पर्यावरण दिवस २०२३ समारोह का आयोजन

एनपीओएल परिसर में वृक्षारोपण करते श्री प्रिंस जोसेफ, वैज्ञानिक 'जी'

मनाया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल यह दिन मनाया जाता है। आवासीय परिसर में पौधे लगाए गए और कार्यक्रम का नेतृत्व श्री प्रिंस जोसेफ, वैज्ञानिक 'जी' और कार्यवाहक निदेशक, एनपीओएल ने किया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस–2023 के अवसर पर, नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम बिरादरी ने महिला कल्याण मंच के सदस्यों के साथ 'प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान' विषय पर एमकेएम सदस्यों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। विश्व पर्यावरण दिवस–2023 समारोह के हिस्से के रूप में एक सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

एनएसटीएल परिसर में वृक्षारोपण अभियान

सीवीआरडीई की कॉर्पोरेट समीक्षा

संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास संस्थापन (सीवीआरडीई), चेन्नई की कॉर्पोरेट समीक्षा 5–6 मई 2023 के दौरान श्री केएस वाराप्रसाद, डीएस और डीजी (एचआर) की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। कॉर्पोरेट समीक्षा समिति (सीआरसी) की सह–अध्यक्षता श्री पुरूषोत्तम बेज, ओएस और डीजी (आर एंड एम) द्वारा की गई थी तथा डीएमएस एंड डीसीडब्ल्यू एंड ई, डीवी एंड एस, डीआईटी एंड सीएस, डीएचआरडी, डीओपी, डीएफएमएम, डीपी एंड सी, डीआईआईटीएम, एस्टेट मैनेजर, आवडी, एजीई (आई) आर एंड डी, आवडी के कॉर्पोरेट निदेशकों द्वारा बैठक में भाग लिया। सीवीआरडीई से, श्री वी बालामुरुगन, ओएस और निदेशक और सभी अतिरिक्त निदेशक और प्रभाग प्रमुखों ने समीक्षा बैठक में भाग लिया।

अध्यक्ष, सीआरसी ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि कॉर्पोरेट समीक्षा एक तंत्र है जिसका उद्देश्य कॉर्पोरेट मुद्दों को हल करना है, जिसमें प्रयोगशाला और मुख्यालय के बीच बातचीत को सक्षम करके प्रशासन और मानव संसाधन मुद्दों पर विशेष जोर दिया जाता है। निदेशक, सीवीआरडीई ने अपने वर्तमान कर्तव्यों के चार्टर के साथ सीवीआरडीई के गठन के बारे में जानकारी दी।

विचार–विमर्श के दौरान, वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक और सेवा कर्मियों की आवश्यकताओं, प्रशिक्षुओं की नियुक्ति और अन्य मुद्दों जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई और सीआरसी ने अनसुलझे मुद्दों पर आगे की कार्रवाई के बारे में दिशा–निर्देश प्रदान किए।

सीआरसी टीम ने भारी वाहन फैक्ट्री, आवडी में अर्जुन उत्पादन क्षेत्र का दौरा किया और प्रयोगशाला की विभिन्न परीक्षण सुविधाओं की भी समीक्षा की।

अपनी समापन टिप्पणी में, सीआरसी ने मिशन आत्मनिर्भर भारत को पूरा करने के लिए एएफवी प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक प्रमुख सिस्टम प्रयोगशाला के रूप में सीवीआरडीई द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और विचार–विमर्श के दौरान उठाए गए मुद्दों के समाधान के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का आश्वासन दिया।

डील में आरएफ के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग पर पाठ्यक्रम

1–5 मई 2023 के दौरान रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून में 'आरएफ और संचार के अन्य डोमेन के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग' पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम का उद्घाटन डील के निदेशक श्री एलसी मंगल द्वारा किया गया था। विभिन्न प्रयोगशालाओं से कुल 30 प्रतिभागी उपस्थित थे। संकाय में आईआईटीडी, आईआईटीके, आईआईटीआई, आईआईटीआर, आईआईआईटी–डीएम, सीआरएल बैंगलोर, पूर्व–डीआरडीओ वैज्ञानिक, डीआरडीओ वैज्ञानिक और उद्योगों के वक्ता शामिल थे।

मुख्य व्याख्यान प्रोफेसर अनंजन बसु, आईआईटीडी द्वारा 'एडवांस इन एमएम–वेव एंड THz इमेजिंग' और प्रोफेसर वासुदेवन, आईआईटीके द्वारा 'संचार प्रणाली के लिए असतत समय सिग्नल प्रोसेसिंग' पर थे। इसके बाद प्रोफेसर राम बिलास पचौरी, आईआईटी–इंदौर द्वारा 'समय आवृत्ति विश्लेषण' पर व्याख्यान और प्रोफेसर मीनाक्षी रावत, आईआईटीआर द्वारा 'ऊर्जा कुशल मल्टी–बैंड/ब्रॉडबैंड ट्रांसमीटरों के लिए एनालॉग–डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग तकनीकों के उन्नत अनुप्रयोग' पर व्याख्यान दिया गया।

कवर किए गए अन्य विषयों में आरएफ और ईडब्ल्यू के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग, रडार सिग्नल प्रोसेसिंग, वायरलेस संचार के लिए पावर एम्पलीफायर में उन्नति, मिश्रित सिग्नल प्रोसेसिंग, स्पीच सिग्नल प्रोसेसिंग, ईएमआई/ईएमसी समाधान, 6 जी की ओर पथ, ब्रॉडबैंड आरएफ और माइक्रोवेव एप्लिकेशन में महत्वपूर्ण आकलन, ऑडियो सिग्नल प्रोसेसिंग, सोनार सिग्नल प्रोसेसिंग और ई–प्रोक्योरमेंट शामिल थे।

'मिलेट के बारे में ए टू जेड' पर जागरूकता व्याख्यान

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ ने डीआरडीओ दिशानिर्देशों के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष–2023 को चिह्नित करने के लिए 1 जून 2023 को 'मिलेट के बारे में ए टू जेड' जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। बाजरा के बारे में विभिन्न तथ्यों और आंकड़ों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्राकृतिक चिकित्सक डॉ सरिता पाटिल को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। श्री पीटी रोजतकर, ओएस और निदेशक, एनएमआरएल ने अतिथि का स्वागत किया। इसके बाद वक्ता द्वारा 'ए टू जेड अबाउट मिलेट्स' विषय पर व्याख्यान दिया गया। डॉ सरिता पाटिल ने मिलेट के लाभ, पोषण संरचना और उपभोग के तरीके को साझा किया। उन्होंने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को ठीक करने में विभिन्न मोटे अनाजों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। एनएमआरएल कर्मचारियों के साथ उनकी बातचीत सार्थक रही और कर्मचारी अपने दैनिक आहार में मिलेट का उपयोग करने के लिए प्रेरित हुए।

डीआरएल द्वारा रंगमती कैंप आईटीबीपी में मिलेट जागरूकता व्याख्यान का आयोजन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने 12 जून 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष–2023 के आलोक में सेक्टर मुख्यालय/55बटालियन, आईटीबीपी के अधिकारियों/ओआर के लिए मिलेट जागरूकता व्याख्यान आयोजित करने के लिए आईटीबीपी रंगमती कैंप तेजपुर (असम) के साथ सहयोग किया। इस कार्यक्रम में कुल 50 अधिकारियों/ओआर ने भाग लिया। डीआरएल के वैज्ञानिक डॉ अंकित द्वारा विस्तृत डेटा और आंकड़ों के साथ एक सचित्र प्रस्तुति के माध्यम से प्रतिभागियों को मिलेट के पारंपरिक उपयोग और वर्तमान विकास के साथ–साथ मिलेट उगाने और उपभोग करने के पारिस्थितिक और पोषण संबंधी लाभों से परिचित कराया गया। प्रतिभागियों को मिलेट की प्रमुख श्रेणियों के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें ज्वार और बाजरा, माइनर बाजरा जिसमें फिंगर मिलेट (रागी),

फॉक्सटेल मिलेट (काकुन), प्रोसो मिलेट (चीना), कोदो मिलेटा (कोदो), बार्नयार्ड मिलेट (सांवा) और छोटा मिलेट (कुटकी) के साथ–साथ छद्म मिलेट जैसे कि एक प्रकार का मिलेट (कुट्टू), अनाज अमरंथ (रामदाना) और क्विनोआ (महानाज) और डीआरडीओ और निजी क्षेत्र द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले दृश्यों के माध्यम से विकसित उनके खाने के लिए तैयार मिलेट उत्पाद शामिल है।

प्रभावी जीवन कौशल पर कार्यशाला

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 30 मई 2023 को डीआरडीओ आवासीय परिसर, तिमारपुर, दिल्ली में 'प्रभावी जीवन कौशल' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ आर के सोखी, वैज्ञानिक 'जी' ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों की टीम का नेतृत्व किया और डीआरडीओ कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत की। कार्यशाला के दौरान, डीआईपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा 'प्रभावी जीवन कौशल' और 'तनाव प्रबंधन' पर दो व्यावहारिक व्याख्यान दिए गए। प्रतिभागी दैनिक जीवन परिदृश्यों से निपटने पर सक्रिय रूप से चर्चा में शामिल थे और उन्होंने डीआईपी आर टीम के सदस्यों के साथ वैचारिक सत्रों की सराहना की।

एनपीओएल में वाइब्रो-ध्वनिक प्रति-उपायों पर कार्यशाला

24 मई 2023 को नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि द्वारा 'वाइब्रो–ध्वनिक काउंटरमेजर्स' पर एक दिवसीय उपयोगकर्ता–इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया गया। भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' दृष्टिकोण के अनुसरण में, एनपीओएल ने ध्वनिक हस्ताक्षर प्रबंधन और दमन के लिए विभिन्न एंटी–कंपन प्रौद्योगिकियों का विकास किया है जो विभिन्न ध्वनि आलोचनात्मक उपकरणों के बीच हस्तक्षेप को कम करने के लिए आधुनिक लड़ाकू जहाजों/युद्ध पोतों के साथ–साथ दुश्मन सोनारों से बचने के लिए भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। कार्यशाला का उद्देश्य नौसेना अनुप्रयोगों के लिए विकसित विभिन्न प्रकार के माउंट के साथ–साथ उपयोगकर्ताओं और संभावित विकास भागीदारों के लिए वाइब्रोकॉस्टिक काउंटर उपायों के प्रति एनपीओएल में मौजूद क्षमता का परिचय देना था। डॉ अजित कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक एनपीओएल ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

डॉ एवी रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' और कार्यशाला के समन्वयक ने सभा का स्वागत किया और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में भाग लेने वाले मुख्य रूप से नौसेना इकाइयों, डीजीएनएटीएए, एमटीयू (एम), एमटीयू (वी), एमटीयू (के), डीएनडी (एसडीजी), डीएमई और उद्योगों से थे। कार्यशाला में प्रस्तुतियों, बातचीत, प्रदर्शनों और प्रदर्शनी के माध्यम से सभी विकसित माउंट और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) डिफेंस, बीईएल, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), केल्ट्रोन आदि के 18 औद्योगिक भागीदारों सहित सभी ने खूब सराहा।

इनमास में मैक्सिलोफेशियल अनुसंधान के लिए आधुनिक केंद्र का उद्घाटन

नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली में मैक्सिलोफेशियल अनुसंधान के लिए आधुनिक केंद्र का उद्घाटन 31 मई 2023 को डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आरएंडडी) और अध्यक्ष, डीआरडीओ द्वारा डॉ यू के सिंह, डीएस और महानिदेशक (एलएस) और डॉ अनिल कुमार मिश्रा, निदेशक, इनमास की उपस्थिति में किया गया। नया केंद्र दंत चिकित्सा के क्षेत्र में दंत सामग्री, उपकरण, प्रौद्योगिकी और प्रोटोकॉल के अनुसंधान और नवाचार में सहायक होगा।

विभाग का प्रमुख क्षेत्र नई जैव–सामग्रियों का विकास, नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियाँ और उनका अनुप्रयोग, दंत चिकित्सा में विकिरण जैव–विज्ञान अनुप्रयोग, स्टेम–सेल सहायता प्राप्त ऊतक इंजीनियरिंग, सामग्री और उपकरणों का स्वदेशी विकास होगा।

नियुक्तियाँ

महानिदेशक (एनएस एंड एम)

डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, ने डीआरडीओ के महानिदेशक (नौसेना प्रणाली और सामग्री) की जिम्मेदारी संभाली। डॉ राव ने एनएसटीएल के निदेशक के रूप में पानी के भीतर हथियार प्लेटफार्मों और संबंधित प्रणालियों के विकास का नेतृत्व किया।

डॉ राव 2000 में डीआरडीओ में शामिल हुए और मिसाइल विकास कार्यक्रम में विभिन्न पदों पर काम किया। 22 वर्षों की अवधि में, उन्होंने संचार प्रणालियों, मिसाइल प्रणालियों और विभिन्न हथियारों जैसी विभिन्न तकनीकों पर काम किया। एक्सो–इंटरसेप्टर मिसाइल सिस्टम के परियोजना निदेशक के रूप में, उन्होंने एक्सो–क्षेत्र में आने वाली मिसाइल को रोकने में सक्षम अत्याधुनिक 'हिट टू किल' इंटरसेप्टर मिसाइल सिस्टम के विन्यास, विकास और कार्यान्वयन में एक टीम का नेतृत्व किया।

डॉ राव आईईआई, तेलंगाना राज्य केंद्र से एक प्रतिष्ठित इंजीनियर के रूप में सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं। वह वर्ष 2005, 2006 और 2009 के दौरान कई डीआरडीओ पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता भी रहे हैं, सौर शक्ति पुरस्कार–2019, जेएनटीयू, 2019 में प्रतिष्ठित फेलो और वर्ष 2019–2020 के लिए एएसईइंडिया–'रोल ऑफ ऑनर' फाउंडेशन अवार्ड भी आपके द्वारा प्राप्त किये गए हैं।

निदेशक, एलआरडीई

श्री गमपाला विश्वम, डीएस को 1 जून 2023 से निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई), बेंगलुरु का प्रभार सौंपा गया। उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में एमएससी और आईआईटी मद्रास से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में एमटेक प्राप्त किया। उन्होंने 1989 में एलआरडीई में वैज्ञानिक 'बी' के रूप में अपना करियर शुरू किया और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक के पद तक पहुंचे।

श्री विश्वम ने रडार प्रणालियों के डिजाइन और विकास में व्यापक अनुभव के साथ विभिन्न रडार परियोजनाओं में काम किया, सेना/वायु सेना की जरूरतों और कार्यक्रम–एडी के लिए एडीएफसीआर, क्यूआरएसएएम, आकाश–एनजी, विशेष रूप से आकाश हथियार प्रणाली की निगरानी और अग्नि नियंत्रण रडार में आपका विशेष योगदान है। उन्होंने भारतीय सेना (क्यूआरएसएएम) और भारतीय वायु सेना (आकाश–एनजी) के लिए अपनी तरह के पहले, चार दीवारी, ऑन मूव रडार (एकल 8x8 एचएमवी/ट्रेलर पर कॉन्फिगर) की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी रुचि के क्षेत्रों में सिस्टम इंजीनियरिंग, उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग, जीपीजीपीयू आर्किटेक्चर का उपयोग करके समानांतर प्रसंस्करण, अत्यधिक समय महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर सिस्टम और रडार सिस्टम की जटिलता को कम करने वाला लघुकरण शामिल है। उन्हें यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड–2000 और साइंटिस्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड–2013 और आईईटीई–आईआरएसआई मेन अवॉर्ड–2020 मिला।

उच्च योग्यता अर्जन

आईआरडीई, देहरादून

यन्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ हिमांशु सिंह को उनकी थीसिस 'इमेज प्रोसेसिंग, ट्रैकिंग और थर्मल इमेजिंग सिस्टम का प्रदर्शन मूल्यांकन' के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रूड़की के एप्लाइड गणित और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग विभाग से पीएचडी से सम्मानित किया गया है।

पुरस्कार

26 मई 2023 को डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में डीआरडीओ पुरस्कार–2020 वितरण समारोह में नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम के श्री पीवीएस गणेश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', ओएस और टीम के सदस्यों (34) को इन्फ्रारेड सिग्नेचर सप्रेशन सिस्टम का स्वदेशी डिजाइन और विकास के माध्यम से नौसेना जहाज हस्ताक्षर प्रबंधन के रणनीतिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता में उत्कृष्टता के लिए 'अग्नि पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

45वां उड़ान परीक्षण पाठयक्रम

श्री देबजीत मोदक वैज्ञानिक 'सी', वायु वाहित प्रणाली केंद्र (सीएबीएस), बेंगलुरु ने 20 जून 2022 से एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टैब्लिशमेंट (एएसटीई), भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में 45वें फ्लाइट टेस्ट कोर्स (एफटीसी) में 48 सप्ताह की अवधि के लिए भाग लिया।

अधिकारी ने पाठयक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया और 19 मई 2023 को योग्य फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर (फिक्स्ड विंग) के रूप में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वह फ्लाइट टेस्ट इंजीनियरों के बीच योग्यता के समग्र रैंक में पहले स्थान पर रहे और उन्हें महाराजा हनुमंत सिंहजी तलवार से सम्मानित किया गया। उन्हें एयर मार्शल एपी सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ से प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला।

सामाजिक गतिविधियां

रक्तदान शिविर

डीआरएल, तेजपुर

14 जून 2023 को रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर में ब्लड बैंक, कनकलता सिविल अस्पताल, तेजपुर के सहयोग से 'रक्तदान अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में एक रक्तदान शिविर का आयोजन करके विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया और 26 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। ब्लड बैंक, कनकलता सिविल अस्पताल ने स्वैच्छिक रक्तदान की भावना को बढ़ावा देने के लिए शिविर आयोजित करने के लिए संस्थान को प्रशस्ति पत्र और दाताओं को प्रशंसा पत्र प्रदान करके सुरक्षित रक्त की निरंतर मांग को पूरा करने में मदद करने के लिए डीआरएल की सराहना की।

डीआरएल, तेजपुर में रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदाता

ईएमयू, हैदराबाद

'विश्व रक्तदाता दिवस' की पूर्व संध्या पर, सम्पदा प्रबंधन इकाई (आरएंडडी), हैदराबाद ने उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल, हैदराबाद के सहयोग से 14 जून 2023 को कंचनबाग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 'रक्तदान अमृत महोत्सव' के तहत आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य डीआरडीओ के सभी कर्मियों के बीच नए दाता बनने के लिए जागरूकता फैलाना, कर्मचारियों को जितनी बार संभव हो नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करना और यह भी प्रयास करना था कि हमारे आसपास रक्त की कमी के कारण किसी

की जान न जाए। इस वर्ष का नारा है ''रक्त दो, प्लाज्मा दो, जीवन साझा करो, अवसर साझा करो''।

शिविर में हैदराबाद की सभी प्रयोगशालाओं से 200 से अधिक इच्छुक रक्तदाताओं ने भाग लिया। इसके अलावा बड़ी संख्या में निवासियों ने भी स्वेच्छा से भाग लिया और आयोजन को सफल बनाया। डॉ अखिला, डॉ प्रशम्सा, श्रीमती जी रामा, स्टाफ नर्स, तकनीशियन और उस्मानिया जनरल अस्पताल के सहायक कर्मचारी और डॉ शेख गौस मोहिद्दीन, अतिरिक्त सीसीई और एस्टेट मैनेजर और उनकी टीम ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इनमास, दिल्ली

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर, 13 जून 2023 को नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ यूके सिंह, डीजी (एलएस), डॉ एके मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, इनमास ने भाग लिया। श्री विपुल गुप्ता, निदेशक–प्रशासन और डॉ रत्नेश सिंह कंवर, वैज्ञानिक 'एफ' और मंडल प्रमुख–सीआरएमएम रक्तदाताओं के पहले बैच में शामिल थे। 100 से अधिक डीआरडीओ कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर के संचालन में हिंदू राव अस्पताल, दिल्ली से डॉ सोमपाल सिंह (एचओडी–ब्लड बैंक), डॉ नम्रता सरीन (एचओडी–पैथोलॉजी), डॉ आयशा (सीनियर रेजिडेंट पैथोलॉजी) सहित 12 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की एक टीम शामिल थी।

डॉ यूके सिंह, डीजी (एलएस) इनमास, दिल्ली में रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान करते हुए

आईटीआर, चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण केंद्र (आईटीआर), चांदीपुर ने 24 मई 2023 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। आईटीआर के निदेशक श्री एच के रथ ने शिविर का उद्घाटन किया। डॉ बसंत उपाध्याय, ब्लड बैंक प्रमुख, जिला मुख्यालय अस्पताल, बालासोर, डॉ एम के बिस्वाल, ब्लड बैंक अधिकारी, बालासोर, डॉ नीलाद्री रॉय, वैज्ञानिक 'जी', आईटीआर ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। निदेशक ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि दान किया गया रक्त किसी को जीवन का एक और मौका देता है। खून का कोई विकल्प नहीं है। सभी को नेक कार्य के लिए स्वेच्छा से रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। शिविर के दौरान 308 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कई अधिकारियों, कर्मचारियों और डीएससी कर्मियों ने इस नेक काम में भाग लिया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ ने एनजीओ तरुण मित्र मंडल, अंबरनाथ के सहयोग से 14 जून 2023 को विश्व रक्त दाता दिवस मनाया। श्री पीटी रोजतकर, ओएस और निदेशक, एनएमआरएल ने स्वैच्छिक रक्तदान के लिए एनएमआरएल कर्मचारियों के साथ प्रतिज्ञा ली। श्री रोजटकर ने अपने संबोधन में कर्मचारियों में रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई और उन्हें रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली जहां 96 व्यक्तियों ने रक्तदान किया। रक्त दाताओं को एक प्रमाण पत्र के साथ–साथ जीवन भर वैधता वाले डोनर कार्ड से सम्मानित किया गया।

श्री पीटी रोजतकर, ओएस और निदेशक, एनएमआरएल रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान करते हुए

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के आगंतुक

केयर, बेंगलुरु

वाइस एडमिरल राजेश पेंढाकर, एवीएसएम, वीएसएम, डीसीआईडीएस (ओपीएस) और टीम ने 18 मई 2023 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु का दौरा किया। डॉ सुब्रत रक्षित, ओएस और निदेशक केयर द्वारा एक ब्रीफिंग दी गई, जिसके बाद नौसेना बलों, भूमि बलों और भौगोलिक सूचना प्रणाली के लिए कमांड और नियंत्रण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।

डेसीडॉक, दिल्ली

श्री के एस वाराप्रसाद, डीएस और डीजी (एचआर) ने 6 जून 2023 को रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली का दौरा किया। डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव ने उन्हें प्रयोगशाला की चल रही विभिन्न गतिविधियों और भविष्य की योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में डेसीडॉक को उनके उपयोगी कार्यकाल और मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए महानिदेशक (मानव संसाधन) के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। श्री वाराप्रसाद ने डेसीडॉक वार्षिक रिपोर्ट–2022 जारी की और एक पौधा भी लगाया।

दिहार, लेह

उच्च उन्नतांश अनुसन्धान रक्षा संस्थान (डीआईएचएआर), लेह ने 24–25 जून 2023 के दौरान सीएएसएफओएस के 36वें राज्य वन सेवा (एसएफएस) इंडक्शन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं (ओटी) और लद्दाख के स्थानीय एनसीसी कैडेटों के लिए फील्ड एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया। अधिकारियों और एनसीसी कैडेटों की संख्या क्रमशः 63 और 350 थी। उनके दौरे पर, दिहार के वैज्ञानिकों ने शुरू में उन्हें लद्दाख क्षेत्र में कृषि और पशु विज्ञान से संबंधित अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के संचालन के महत्व और प्रासंगिकता के बारे में जानकारी दी।

आगंतुकों ने विभिन्न प्रौद्योगिकियों की सराहना की और अपने–अपने स्थानों पर इन प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता और रुचि फैलाने में मदद करने की इच्छा व्यक्त की।

डिपास , दिल्ली

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आरएंडडी) और अध्यक्ष डीआरडीओ ने 31 मई, 2023 को डॉ यूके सिंह, डीएस और डीजी (एलएस) के साथ रक्षा शरीर क्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली का दौरा किया। निदेशक डिपास डॉ राजीव वार्ष्णेय ने डिपास की चल रही परियोजनाओं और सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में विकसित और शामिल किए गए उत्पादों के बारे में एक व्यापक प्रस्तुति दी। डिपास द्वारा विकसित अत्याधुनिक उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों की एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गई। डॉ कामत ने डिपास में चल रही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की लुभावनी श्रृंखला और हमारे रक्षा बलों पर अनुसंधान एवं विकास कार्यों के प्रभावशाली प्रभाव की सराहना की।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आरएंडडी) और अध्यक्ष डीआरडीओ डॉ यूके सिंह, डीएस और डीजी (एलएस) और डॉ राजीव वार्ष्णेय, निदेशक डिपास के साथ बातचीत करते हुए

डीआईपीआर, दिल्ली

❄ डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आरएंडडी) और अध्यक्ष डीआरडीओ ने 31 मई 2023 को डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजिकल रिसर्च (डीआईपीआर), दिल्ली का दौरा किया। डॉ यूके सिंह, डीएस और डीजी (एलएस) ने उन्हें विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों और डीआईपीआर द्वारा की गई पहल के बारे में जानकारी दी। डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता और टीम ने सशस्त्र बलों और अन्य संस्थानों के चयन, प्रशिक्षण, मनोवैज्ञानिक सहायता और सेवाएं प्रदान करने में पिछले सात दशकों में प्रयोगशाला के प्रमुख योगदान पर विचार किया।

इस अवसर पर, कम्प्यूटरीकृत पायलट चयन प्रणाली (सीपीएसएस) सहित कई मनोवैज्ञानिक उत्पादों, फील्ड मैनुअल और सेवाओं की एक प्रदर्शनी प्रदर्शित की गई।

❄ श्रीमती बी राधिका, आईपीएस,

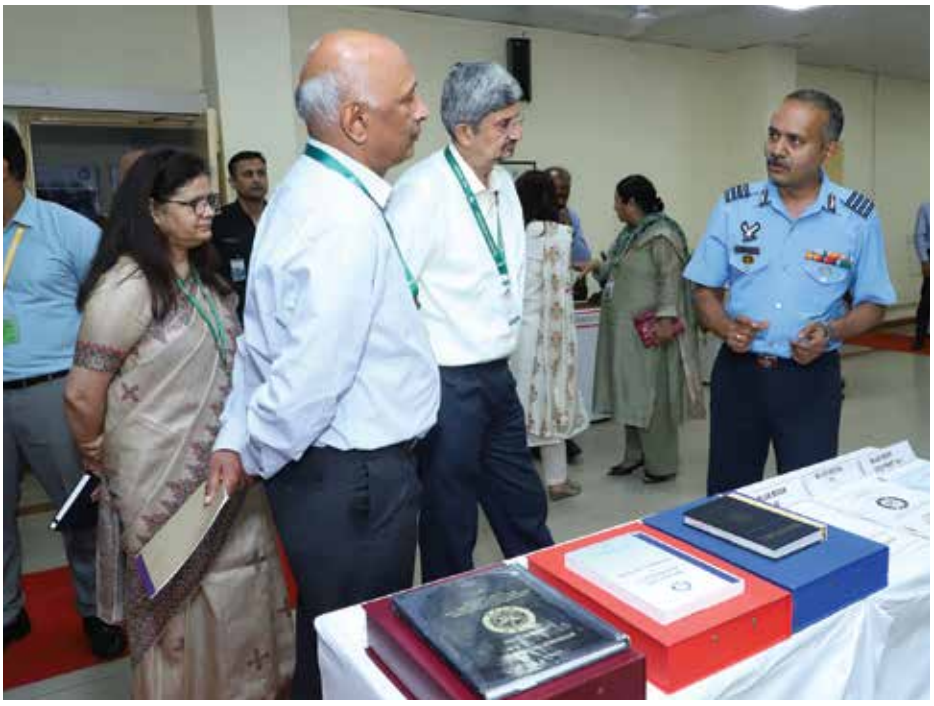

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आरएंडडी) और अध्यक्ष डीआरडीओ डीआईपीआर, दिल्ली में अपनी यात्रा के दौरान

अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 1 जून 2023 को डीआईपीआर का दौरा किया। उन्होंने डॉ यूके सिंह, डीएस और महानिदेशक (एलएस), डॉ अरुणिमा गुप्ता निदेशक, डीआईपीआर और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक के साथ बातचीत की। एडीजी ने सैनिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एवं उन्नति तथा कल्याण के लिए निरंतर अनुसंधान एवं विकास में योगदान और हस्तक्षेप के लिए वैज्ञानिक बिरादरी की सराहना की।

❄ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिरीक्षक श्री के एम यादव ने अपनी टीम के साथ 2 जून 2023 को डीआईपीआर का दौरा किया। डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता और टीम ने उन्हें संस्थान द्वारा की गई विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

❄ भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिरीक्षक श्री संजय कुमार चौधरी ने अपनी टीम के साथ 19 जून 2023 को डीआईपीआर का दौरा किया और डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की।

एलआरडीई, बेंगलुरु

ब्रिगेडियर समीर वर्मा, कमांडर, आर्मी सेंटर ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स, महू ने 12 मई 2023 को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं राडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु का दौरा किया। वहां उन्होंने श्री जस्टिन सगयाराज, वैज्ञानिक 'जी' और गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय, एलआरडीई की टीम से मुलाकात की। रक्षा उपकरणों के विकास के दौरान डीआरडीओ के सामने आने वाली समस्याओं पर एवं ईएमआईध्ईएमसी पहलुओं पर एक प्रस्तुति दी गई। बाद में, उन्होंने एलआरडीई के एक्टिव ऐरे एंटीना मेजरमेंट एंड डायग्नोस्टिक टेस्ट सेंटर और ईएमआई/ईएमसी परीक्षण सुविधाओं का भी दौरा किया।

डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक डीआईपीआर श्रीमती बी राधिका, आईपीएस, एडीजी, एसएसबी को स्मृति चिन्ह सौंपते हुए

श्री संजय कुमार चौधरी, महानिरीक्षक, आईटीबीपी और उनकी टीम डीआईपीआर, दिल्ली में अपनी यात्रा के दौरान

ईएमआई/ईएमसी के दौरे के दौरान ब्रिगेडियर समीर वर्मा, कमांडर, एसीई श्री जस्टिन सगयाराज, वैज्ञानिक 'जी' और गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय, की टीम के साथ

एनपीओएल, कोच्चि

रक्षा पर पंद्रह सदस्यीय संसदीय स्थायी समिति (एससीओडी) ने 12 मई 2023 को नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि की चल रही परियोजनाओं, सुविधाओं, अन्य उपलब्धियों और क्रियाकलापों का निरीक्षण किया।

समिति की अध्यक्षता माननीय श्री जुएल ओराम, माननीय अध्यक्ष, लोकसभा सदस्य ने की। एनपीओएल के निदेशक डॉ अजित कुमार के ने एनपीओएल के क्रियाकलापों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। समिति ने चल रही परियोजनाओं, उपलब्धियों और प्रक्रियाधीन क्रियाकलापों पर एनपीओएल अधिकारियों के साथ बातचीत की। श्री एमजेड सिद्दीकी, डीएस एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) और श्री पुरूषोत्तम बेज, ओएस एवं वैज्ञानिक 'एच' एवं महानिदेशक (आर एंड एम) भी बैठक में शामिल हुए। विचार विमर्श के पश्चात, समिति, लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों और रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने ध्वनिक टैंक और तकनीकी उपलब्धियों पर एनपीओएल द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी का दौरा किया।

डॉ अजित कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक एनपीओएल एससीओडी को एनपीओएल के उत्पादों के बारे में समझाते हुए

टीबीआरएल, चंडीगढ़

3 जून 2023 को चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ में संसद की लोक लेखा समिति (2023–24) का एक अध्ययन दौरा आयोजित किया गया था। पीएसी के माननीय अध्यक्ष श्री अधीर रंजन चौधरी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जहां रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड सुविधा (आरटीआरएस) में परीक्षणों के लाइव प्रदर्शन सहित स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को दिखाया गया। समिति के सदस्यों ने टीबीआरएल गतिविधियों और परियोजनाओं में गहरी रुचि व्यक्त की।

टीबीआरएल चंडीगढ में प्रदर्शनी के दौरान पीएसी समिति के सदस्यों को प्रो० प्रतीक किशोर, ओएस एवं निदेशक टीबीआरएल द्वारा जानकारी दी गई